Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121302305**
Title of the Paper	**:**	**पारस्करगृह्यसूत्र एवं अर्थशास्त्र**
		(Pāraskargṛhyasūtra and Arthśāstra)
Name of the Course	**:**	**M.A. Sanskrit, LOCF, December-2024**
Group:	**:**	**E**
Semester	**:**	**III**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. **निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :** **7x4=28**
   Explain the following with reference to the context:

   i. अथातो गृह्यस्थालीपाकानां कर्म। **अथवा/OR** आवसथ्याधानं दारकाले।
   ii. सांवत्सरिकस्य चूडाकरणम्। **अथवा / OR** स्नातस्य यमान् वक्ष्याम:।
   iii. यथासेतुभोगं वेश्म कारयेत्। **अथवा/ OR** दायभाग:।
   iv. तेन आधिप्रणाशोपभोगविक्रयाधानापहारा व्याख्यातः।

   अथवा/OR

   सीमावृक्षेषु चैत्येषु द्रुमेष्वालक्षितेषु च।
   त एव द्विगुणा दण्डा: कार्या राजवनेषु च॥

2. **निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक <u>संस्कृत</u> में हो:** **5+5+5+7=22**
   Write notes on the following in which one should be in <u>Sanskrit</u>:

   i. आवसथ्याधान **अथवा/OR** अन्नप्राशन
   ii. स्नातकभेद **अथवा/OR** उपनयन
   iii. स्त्रीधन **अथवा/OR** ऋणादान
   iv. द्यूतसमाह्वय **अथवा/OR** वास्तुक

3. पारस्करगृह्यसूत्र के अनुसार 'अर्घदान विधि' का विवेचन कीजिए। **10**

Discuss 'अर्घदान विधि' according to Pāraskargṛhyasūtra.

अथवा/ OR

पारस्करगृह्यसूत्र में वर्णित ' समावर्तन संस्कार' का निरूपण कीजिए।

Describe 'समावर्तन संस्कार' as depicted in Pāraskargṛhyasūtra in detail.

4. अर्थशास्त्र के अनुसार 'गृहवास्तुक' का वर्णन कीजिए। **10**

Describe 'गृहवास्तुक' according to the Arthśāstra .

अथवा/OR

कौटिलीय अर्थशास्त्र के अनुसार 'दण्डपारुष्य' का निरूपण कीजिए।

Describe 'दण्डपारुष्य ' according to Kautiliya Arthśāstra.